

Government of Uttar Pradesh
Office of the District Magistrate Jalaun At Orai, (U.P.)

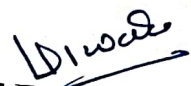
No.2218/33-1..... Dated at Jalaun ...24.10.2022


TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

In compliance of the Ministry of Environment and Forest (MoEF), Government of India's letter no. 11.09/98FC(pt) dated 3rd August, 2009 and dated 5th February 2013 where in the MOEF issued guidelines on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the schedule Tribes and other traditional forest dwellers (recognition of forest right) Act, 2006 ("FRA" for short) on the forest land purposed to be diverted for non-forestry purposes, In further modification of above said leeter, MOEF exempted the requirement of initiation and completion of process for recognition and vesting of forest rights of Schedule Tribes and other Traditional Forest dwellers in case of Linear projects vide Ministry of Environment and Forest (MOEF), Government of India's letter no. 11-09/98 FC(pt) dated 28th October 2014.

It is further certified that-

1. An area of 4.7727 ha. Protected Forest Land proposed to be diverted for non forest purpose in favor of UP JAL NIGAM Laying of Water Distribution Line along different roads, under Sala Group of Villages Drinking Water Scheme of Jal Jeevan Mission of Govt. of India, in District:- Jalaun.. (Shivpuri-Bhoganipur Road, SH-21 Orai-Rath Road, Orai-Auraiya Road, Ait-Pachokhara Road, Konch - Nadigaon Road Protected Forest Land), District: Jalaun area of 4.7727 ha. Protected Forest Land.
2. The proposal does not affect the recognized rights of and interest of Primitive Tribal Groups of Pre Agricultural Communities, as those are having no recorded population in the above stated region of the protected forest land.
3. The forest land proposed to be diverted is plantation land which was notified as "Forest" less than 75 years prior to the 13th day December 2005 and is located in villages having no recorded population of scheduled tribes, as per the Census-2001 and the Census-2011. the requirement of forest land as proposed by the user agency is barest minimum.


Divisional Forest Officer
Jalaun Social Forestry Forest
Division, Orai


District Magistrate
Jalaun at Orai


वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत संरक्षित वन में गैर वानिकी प्रयोग हेतु अनुमति प्राप्त करने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय जालौन वन अधिकार अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अनुसूचित जन जाति (Tribal Group) के दावा सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में।


नोटशीट

जिलाधिकारी,
जनपद जालौन स्थान उरई।

आपके संज्ञान में लाना है कि इस वन प्रभाग के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सला गुफ जनपद के विभिन्न मार्गों के किनारे वाटर डिस्टिब्यूशन लाइन का विछाया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्य में विभिन्न मार्गों के किनारे संरक्षित वन घोषित है वाटर डिस्टिब्यूशन लाइन से प्रभावित होने वाली संरक्षित वन भूमि का क्षेत्रफल 4.7727 हे० के गैर वानिकी कार्य प्रयोग हेतु प्रस्ताव जनहित के लिये है। वन संरक्षण 1980 के तहत भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाता है। प्रस्ताव में वनाधिकार अधि० 2006 के अन्तर्गत आपका प्रमाण पत्र आवश्यक है। उक्त के क्रम में भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण के गजट नं०- 11-09/98-एफ०सी० (पी०टी०) दिनांक 28.10.2014 (फ्लैग-1) के क्रम में अवगत कराना है कि विषयांकित संरक्षित वन भूमि 13 दिसम्बर 2005 से 75 वर्ष से कम का वृक्षारोपण तथा सम्बन्धित ग्रामों में 2001 से 2011 की जन गणना के अनुसार कोई भी आदिवासी निवास नहीं करते है।

अतः भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के उक्त वनाधिकार सम्बन्धी प्रमाण पत्र पत्रावली के दाहिनी ओर स्थापित है, कृपया सहमति की दशा में हस्ताक्षर करना चाहें।


(जय प्रकाश नारायण तिवारी)
प्रभागीय वनाधिकारी,
जालौन सा०वा० वन प्रभाग उरई।


21/5/22
DM